Statement

S.No.	Name of the mills	State	Amount (Rs. in crores)
N.T.C.	(TN&P) LTD.		
1.	Kaleeswarar 'B', Kalayarkoil	Tamil Nadu	9.43
2.	Pioneer Paramkudi, Ramnathpuram	Tamil Nadu	5.88
3.	Balaramvarma Shencottah, Tirunelvli	Tamil Nadu	.3.99
4.	Sri Sarda Sundrapuram, Coimbatore	Tamil Nadu	5.93
5.	Kaleeswarar 'A', Coimbatore	Tamil Nadu	12.03
6.	Somasundram, Coimbatore	Tamil Nadu	6.18
7.	Coimbatore Murugan Coimbatore	Tamil Nadu	32.69
8.	Coimbatore SPG. & WVG, -Do-	Tamil Nadu	19.42
9.	Pankaja -Do-	Tamil Nadu	6.80
10.	Sri Rangavilas -Do-	Tamil Nadu	9.27
11.	Kishnaveni -Do-	Tamil Nadu	6.48
12.	Cambodia -Do-	Tamil Nadu	9.43
13.	Omparasakthi -Do-	Tamil Nadu	5.69
			135.22

सिले-सिलाए परिधानों के निर्यात हेतु योजना

305. **श्री गोला सिंह जी. सोलंकी** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान सिले-सिलाए परिधानों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिये कोई बृहद योजना बनायी थी,

(ख) यदि हां, तो उक्त अवधि के दौरान सिले-सिलाए परिधानों के निर्यात से वर्षवार कुल कितनी विदेशी मुद्रा कमायी गयी,

(ग) भारत प्रति वर्ष सिले-सिलाए परिधानों के निर्यात के लक्ष्य को किस हद तक पूरा कर रहा हैं,

(घ) क्या सरकार ने सिले-सिलाए परिधानों के निर्यातकों को प्रोत्साहति करने के लिए कोई विस्तृत कार्य-योजना बनायी हैं, और

(ड़) सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय बाजार में भारतीय परिधानों के नए आयातकों को आकर्षित करने के लिये क्या प्रयास किये गये हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री काशी राम राणा) : (क) योजना के दौरान निर्यात को बढ़ाने के लिये सरकार ने अनेक उपाये किये थे जिनसे सिले-सिलाए परिधानों के लघु एककों सहित सिले सिलाए परिधान उद्योग को भी लाभ पहुंचा था। इन उपायों में चालू खाते में रुपए की परिवर्तनशीलता, निर्यात उत्पादन के लिये रियायाती शुल्क पर पूंजीगत माल के आयात को सुकर बनाना, निर्यात ऋण की बढ़ी हुई उपलब्धता, विदेशी मुद्रा खाते में 25 प्रतिशत तक की विदेशी मुद्र आय को बनाए रखने की अनुमति देना, क्रेता-विक्रेता बैठकों, मेलों, प्रदर्शनियों आदि में निर्यातकों की सहभागिता को प्रोत्साहन देना आदि में निर्यातकों की सहभागिता को प्रोत्साहन देना आदि शामिल थे । इसके अतिरिक्त सरकार ने परिधान निर्यात हकदारी नीति में यथोचित आवश्यक परिवर्तन किये थे।

(ख) और (ग) पांचवी योजना अवधि के दौरान परिधानों के निर्यात से अर्जित कुल विदेशी मुद्रा की राशि

तथा ग्रस्त हुये लक्ष्यों के वर्षवार विवरण निम्नानुसार हैं :-

वर्ष	मूल्य (मिलियन अमरीकी डालर में)	प्राप्त लक्ष्य का प्रतिशत
1992-93	3052.47	112.8
1993-94	3713.65	105.8
1994-95	4433.83	104.0
1995-96	4453.31	92.8
1996-97	4762.10	100.3

(घ) और (ड़) परिधानों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिये सरकार अनेक कदम उठा रही हैं जिनमे क्रेता-विक्रता बैठको, मेंलो, और प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिये निर्यातकों को प्रोत्साहन देना, निर्यात उत्पादन के लिये निर्याती शुल्क पर पूंजीगत माल के आयात का अधिकार देना, निर्यात उत्पादन के लिये कच्चे माल के शुल्क मुक्त आयात के विशेष प्रबंध करना आदि शामिल हैं ।

हथरकघा क्षेत्र के लिये सूत

306. **श्री राज मोन्दिर सिंह** :

श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच हैं कि कताई मिलों को यह निर्देश दिया गया हैं कि वे अपने कुल उत्पादिक सूत के 50% का उत्पादन देश के हथकरघा वस्त्र उद्योगों के उपयोग के लिये और अपने कुल उत्पादन का कम से कम 50% सूत देश के हथकरघा वस्त्र उद्योग में उपयोग हेतु उत्पादित करें,

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच हैं कि देश की सूत कताई मिलों को इन निर्देश का पालन करने से छूट दी गई हैं, और

(ग) यदि हां तो उसके क्या कारण हैं और सरकार द्वारा हथकरघा उद्योगों के उपयोग के लिये सूत की उपलब्धता में कमी न आने देने के लिये क्या कार्यवाही की गई हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री काशी राम राणा) : (क) जी हां ।

हैंक यार्न (धागा) पेंकिग आधसूचना के अनुसार सूती यार्न सहित कुछ विशिष्ट यार्न के प्रत्येक उत्पादक जो कि सिविल उपयोग के लिये यार्न का पैक करता हैं, मिल के अपने परिसर द्वारा स्वयं उपयोग किये गये तथा निर्यात को छोड़कर, प्रत्येक तिमाही के दौरान सिविल उपयोग केलिये अब तक उसके/उनके द्वारा पैक किया गया हिस्सा कुल यार्न का हैंक के रूप में 50% से कम नहीं होगा और ऐसे पैक किये गये यार्न का कम से कम 80

% 40 और उससे कम काऊंट का नहीं होना चाहिये ।

(ख) जी, नहीं ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

सैन्ट्रल काटेज इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन में नियुक्तियों

307. **श्री चुन्नी लाल चौधरी** : क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) सैन्ट्रल काटेल इंडस्ट्रीज कारपोरेशन में विभिन्न श्रेणियों और वर्गो की नियुक्तियां करने का मापदंड क्या हैं और वर्ष 1996-97, 1997-98, और 1998-99 के दौरान कितने कम्रचारियों को नियुक्त किया गया, और

(ख) क्या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को आरक्षण का लाभ दिया गया था और श्रेणी/वर्ग वार और वर्ष वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री काशी राम राणा) : (क) और (ख) केन्द्रीय कुटीर उद्योग निगम में विभिन्न वर्गों एंव श्रेणियों की नियुक्तियों के लिये प्रत्येक पद के लिये मानदंड भर्ती नियमों के अनुसार सिद्धान्तों का पालन किया जाता हैं । वर्ष 1996-97 से 1998-99 के दौरान 54 नियुक्तियां की गई हैं । निगम में 563 व्यक्तियों की कुल संख्या में से 103 व्यक्ति अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित हैं । भारत सरकार के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार ही अनुसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजातियों की रिक्तियों को आरक्षित रखा जाता हैं और निगम ने आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये कदम उठाये हैं ।

Allocation of Funds to Textiles Mills, Powerlooms, Handlooms and Khadi Industry

308. KUMARI NIRMALA DESHPANDE: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) the percentage of allocation of funds to (1) Textiles Mills (2)